E-NEWS BULLETIN

AUG 2024 - DEC 2024

Tarique Raza Khan
Chairman, STCE

From the Director's Desk.

Greetings!
With the beginning of the year 2024, we embark on a journey filled with new hopes and opportunities. At S.T. College of Education, Patna, we are committed to setting new standards in the field of education. Our mission is not just to impart knowledge, but to nurture ethics, independent thinking, and a sense of responsibility towards society in our students.
Our best wishes and blessings are always with you. It is through your continuous efforts and dedication that we can achieve our goals. Together, let us make new milestones in the coming year.
Thank you and best regards.

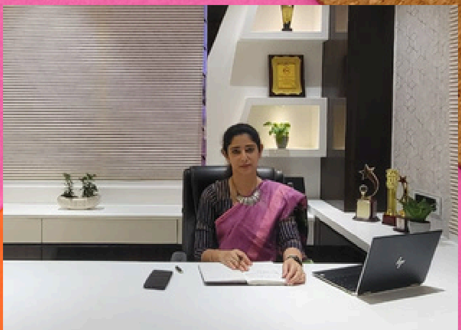

Dr. Shahina Khan
Director, STCE

Tanu Sinha
CAO. S.T.G.I

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal, STCE

From The CAO Desk

Dear Students, Faculties, and Staffs of S.T. College of Education, Patna,
As we continue on the path of knowledge and excellence, I extend my heartfelt best wishes to all of you. The journey of education is not just about learning from books but about discovering oneself and contributing positively to society. I am proud of the remarkable efforts and achievements of our students and faculty, and I have full confidence that you will continue to excel in every endeavour.
Let us stay committed to our shared vision of providing quality education, fostering innovation, and empowering our future leaders. Together, we will achieve greater heights and make a lasting impact.
Wishing you all success, growth, and fulfilment in your academic and personal journeys.

From The Principal Desk

I am pleased to extend my warm greetings and best wishes to everyone associated with S.T. College of Education, Patna, as we usher in the new year 2025. This year has been filled with numerous enriching activities, academic milestones, and memorable moments that will leave an everlasting impact on the lives of our students.
The B.Ed. sessions for 2022-24 (2nd Year) and 2023-25 (1st Year) have witnessed remarkable growth and learning. From the inspiring Establishment Day Ceremony, to the informative Educational Excursion, our students have embraced each opportunity with enthusiasm and zeal. The Micro Teaching sessions have further honed their pedagogical skills, while events like Sparrow Day and Earth Day celebrations have fostered an appreciation for nature and our environment.
The Alumni Meet was a grand success, connecting the past with the present and creating a platform for invaluable exchange of ideas and experiences. These activities have not only enriched the academic environment but also instilled a sense of social responsibility in our students.
As we look forward to the second half of the academic year, let us continue to strive for excellence, uphold the values of education, and work towards a brighter future for all.
Wishing all students, faculty, and staff continued success, growth, and fulfilment in the coming months.

7759993111 stcepatna@gmail.com www.stcebedcollege.com

Editorial Board

Editor in Chief

Mr. SHILNIDHI

Assistant Professor,

S.T.C.E., Patna

Editor

Mr. Michael Giddeon Moses Paul

Editorial Board Students

Avinash Kumar | Shaista Jabeen | Rabiya kahkashan | Md. Shahnawaz Alam | Naushad Alam

Guru Govind Singh jayanti celebration. Date:- 17-01-2024

गुरु गोविंद सिंह जयंती

Republic day 2024 celebration.

College establishment day and induction programme D.El.Ed. session 2023-25 1st year.

Date:- 12 February 2024

एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मनाया गया 9 वां कॉलेज स्थापना दिवस सह डी.एल.एड.(2023-25) सत्रारंभ समारोह । आज दिनांक 12 फरवरी 2024 को एस. टी.कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अहमद रजा नगर, कुरकुरी, फुलवारीशरीफ के आइक्यूएसी एवं स्किल डेवलपमेंट कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय स्थापना दिवस सह डी. एल. एड. सत्र 2023-25 स्टूडेंट इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही अकादमी कारणों से 10 फरवरी को मनाये जाने वाले स्थापना दिवस समारोह का आयोजन आज 12 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष तारीक़ रजा खान एवं सचिव सह निदेशक महोदया डॉक्टर शाहिना खान,एसटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशंस की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तनु सिन्हा, प्राचार्या डॉक्टर संजीता कुमारी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के गरिमामयी उपस्थिति में रिबन कटिंग एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।

Educational excursion , B. Ed. session 2022-24, 2nd year.

Date:- 27 February

एस.टी. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के प्रशिक्षुओं ने शैक्षणिक परिभ्रमण के दौरान राजगीर के ऐतिहासिक स्थलों का किया दौरा। शैक्षणिक परिभ्रमण प्रशिक्षुओं एवं छात्रों को प्रत्यक्ष अनुभव करता है: सचिव सह निदेशक डॉक्टर शाहिना खान। दिनांक 27-02-2024 मंगलवार को एसटी कॉलेज आफ एजुकेशन के बीएड सत्र 2022-24 द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं का जत्था आइक्यूएसी एवं रिसर्च एंड डेवलपमेंट कमिटी के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय राजगीर शैक्षणिक परिभ्रमण पर रहा राजगीर के ऐतिहासिक स्थल, विश्व शांति स्तूप, सोन भंडार एवं मनियार मठ का प्रशिक्षुओं ने अपनी आंखों से देखकर इसकी बारीकियों का अनुभव किया।

शैक्षणिक सत्र 2023-25 के प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं के लिए शिक्षण कौशल (माइक्रो टीचिंग) का प्रशिक्षण

19 February to 12 March 2024

एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, में बी.एड. सत्र 2023-25 के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए माइक्रो टीचिंग के माध्यम से सभी महत्वपूर्ण शिक्षण कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। माइक्रो टीचिंग, शिक्षक प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो शिक्षण कौशलों के विकास के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस प्रक्रिया के तहत, छात्रों को छोटे-छोटे शिक्षण सत्रों के माध्यम से अपने शिक्षण कौशल को निखारने का अवसर मिलता है।

बीएड सत्र 2022-24, चार माह स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम

शिक्षक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य शिक्षक उम्मीदवारों को प्रभावी शिक्षण कौशल, प्रबंधन क्षमताओं और विद्यालयी वातावरण में व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना है। एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पटना द्वारा बी.एड. सत्र 2022-24 के विद्यार्थियों के लिए मार्च से जुलाई 2024 तक गवर्नमेंट और सीबीएसई स्कूलों में 4 महीने का शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक कक्षा में शिक्षण का अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे अपनी शैक्षिक और पेशेवर क्षमताओं का समुचित विकास कर सकें।

☎ 7759993111 ✉ stcepatna@gmail.com Website https://www.stcebedcollege.com/

बीएड सत्र 2022-24 द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं का चार माह का स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन।

विभिन्न विद्यालयों में चार महीने के बी.एड. स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम बीएड सत्र 2022-24 के प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक पूरा किया। सभी छात्र-शिक्षकों को हार्दिक बधाई! यह कार्यक्रम सरकारी और सीबीएसई स्कूलों के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पटना के छात्र-शिक्षकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस इंटर्नशिप ने छात्र-शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया और उन्हें शिक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर दिया। उनके समर्पण और प्रतिबद्धता ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम इन सभी छात्र-शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की उम्मीद करते हैं।

4 MONTHS SCHOOL INTERNSHIP

एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन के कर्मचारियों के लिए वार्षिक पिकनिक का आयोजन

एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने हाल ही में अपने कर्मचारियों के लिए एक वार्षिक पिकनिक का आयोजन किया, जो सभी के लिए अत्यधिक मनोरंजक और खुशी से भरपूर था। इस पिकनिक का आयोजन स्थानीय गार्डन में किया गया, जहां सभी कर्मचारियों ने एक दिन के लिए अपनी दिनचर्या से हटकर मस्ती और मनोरंजन का आनंद लिया।

पिकनिक की शुरुआत मजेदार और मनोरंजक खेलों के साथ हुई, जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विभिन्न प्रकार के खेल जैसे रस्साकशी, संगीत कुर्सी, और अन्य मजेदार गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिन्होंने पूरे माहौल को उत्साह और उल्लास से भर दिया।

खेलों के बाद, सभी के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिक दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई थी। खाने में कई प्रकार के व्यंजन शामिल थे, जिन्हें कर्मचारियों ने मिलकर खाया और आनंद लिया। इसके साथ ही, संगीत और डांस का भी आयोजन किया गया। अध्यक्ष तारिक रजा खान सर एवं सचिव डॉ शाहिना खान मैम, दिन भर अपने स्टाफ के साथ समय बिताए

कॉलेज के सचिव सह निदेशक डॉक्टर शाहिना खान ने इस अवसर पर कहा, "इस प्रकार के आयोजन हमारे कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने और एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाने में सहायक होते हैं। यह दिन सभी के लिए यादगार और खुशी भरा रहा।"

वार्षिक पिकनिक

एस.टी. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के प्रशिक्षुओं ने "गौरैया दिवस" पर चिड़िया को दाना खिलाने और पानी पिलाने के लिए उल्लेखनीय रचनात्मकता दिखाई।

Date:- 20 March 2024

आज दिनांक 20 मार्च 2024 दिन बुधवार को एस.टी. कॉलेज आफ एजुकेशन के बीएड सत्र 2023-25 प्रथम वर्ष एवं डीएलएड सत्र 2023-25 के प्रशिक्षुओं के द्वारा गौरैया दिवस के मौके पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के आईक्यूएसी एवं स्किल डेवलपमेंट कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में स्पैरो फीडर एवं पानी पिलाने से संबंधित रचनात्मकता को लेकर क्राफ्ट मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, प्रशिक्षुओं ने मिलकर स्पैरो और अन्य पक्षियों के लिए एक स्वास्थ्यप्रद वातावरण बनाने का संकल्प लिया है। स्पैरो फीडर का निर्माण करने और पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए एक से बढ़कर एक रचनात्मककता दिखाई जिससे की गौरैया एवं अन्य छोटी चिड़िया आसानी से दाना चुग सके और पानी पी सके।

गौरैया दिवस

7759993111

stcepatna@gmail.com

Website https://www.stcebedcollege.com/

एस. टी. ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के बैनर तले तरुमित्र की ओर से आयोजित "ओरिएंटेशन प्रोग्राम" में पर्यावरण जागरूकता का प्रदर्शन और इससे जुड़े गंभीर प्रश्नोत्तर सत्र का हुआ आयोजन।

आज दिनांक 9 अप्रैल 2024 दिन मंगलवार को एस.टी. ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस में तरुमित्रा की ओर से आयोजित "ओरिएंटेशन प्रोग्राम" के अंतर्गत, पर्यावरण जागरूकता का प्रदर्शन और प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तारुमित्रा के हेड कोऑर्डिनेटर, देवोप्रिया दत्ता द्वारा संचालित किया गया था।

प्रशिक्षुओं के साथ स्कूली बच्चों ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत किया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पर एस.टी. कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन के प्रशिक्षुओं ने डॉक्यूमेंट्री का किया स्क्रीनिंग।

आज 22 अप्रैल 2024 दिन सोमवार को एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन के आईक्यूएसी के तहत छात्र-नेतृत्व वाली पहल के माध्यम से इस महत्वपूर्ण अवसर के स्मरणोत्सव की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। इस पृथ्वी दिवस पर, कॉलेज के हमारे प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा बनाई गई एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग की गई , जो पर्यावरण संरक्षण और उसके संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालती है।

हिंदी में तैयार की गई यह डॉक्यूमेंट्री आज हमारे ग्रह के सामने आने वाले दबावपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डालती है, साथ ही सकारात्मक बदलाव की दिशा में काम करने वाले व्यक्तियों और समुदायों की प्रेरक प्रसंग को भी प्रदर्शित करती है।

Earth Day 22 April 2024

☎ 7759993111 ✉ stcepatna@gmail.com Website https://www.stcebedcollege.com

E-NEWSBULLETIN

JAN 24 to JULY 24

एस. टी. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में तीसरे एलुमनाई मीट का हुआ आयोजन।

आज दिनांक 14 मई 2024 दिन मंगलवार को हमारे संस्थान एस. टी. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के आईक्यूएसी के द्वारा भव्य तीसरे एलुमनाई सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रमुख गतिविधियों और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमनें अपने पूर्व छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके अनुभवों को साझा करने का अवसर प्रदान किया।

Alumni meet 2024

एस. टी. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में तीसरे एलुमनाई मीट का हुआ आयोजन।

आज दिनांक 14 मई 2024 दिन मंगलवार को हमारे संस्थान एस. टी. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के आईक्यूएसी के द्वारा भव्य तीसरे एलुमनाई सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रमुख गतिविधियों और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमनें अपने पूर्व छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके अनुभवों को साझा करने का अवसर प्रदान किया।

Alumni meet 2024

एस. टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विश्व साइकिल दिवस पर फिटनेस सत्र का आयोजन।

आज दिनांक 3 जून 2024 दिन सोमवार को, एस. टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन पटना में आई.क्यू.ए.सी. द्वारा विश्व साइकिल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में फिटनेस सेशन ऑन साइकिलिंग पर एक विशेष फिटनेस सत्र का आयोजित किए गए। फिटनेस सत्र में विशेष वक्ता रितेश कुमार ने पीपीटी के माध्यम से साइकिलिंग के महत्व को दर्शाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में साइकिलिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना था।

By Cycle Day 3rd June 2024

बीएड सत्र 2022-24 द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं का चार माह का स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन।

विभिन्न विद्यालयों में चार महीने के बी.एड. स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम बीएड सत्र 2022-24 के प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक पूरा किया। सभी छात्र-शिक्षकों को हार्दिक बधाई! यह कार्यक्रम सरकारी और सीबीएसई स्कूलों के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें एस.टी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पटना के छात्र-शिक्षकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस इंटर्नशिप ने छात्र-शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया और उन्हें शिक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर दिया। उनके समर्पण और प्रतिबद्धता ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम इन सभी छात्र-शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की उम्मीद करते हैं।

4 MONTHS SCHOOL INTERNSHIP

E-NEWSBULLETIN

JAN 24 to JULY 24

बीएड सत्र 2022-24 द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं का चार माह का स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन।

4 MONTHS SCHOOL INTERNSHIP PROGRAMME

☎ 7759993111 ✉ stcepatna@gmail.com Website https://www.stcebedcollege.com/

E-NEWSBULLETIN

JAN 24 to JULY 24

बीएड सत्र 2023-25 प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं का एक माह का स्कूल ऑब्जरवेशन क्लास कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन।

1 MONTH SCHOOL OBSERVATION

☎ 7759993111 ✉ stcepatna@gmail.com Website https://www.stcebedcollege.com

बीएड सत्र 2023-25 प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं का एक माह का स्कूल ऑब्जरवेशन क्लास कार्यक्रम सफलतापूर्वक समापन।

आपको एक महीने की अवलोकन कक्षा सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक बधाई! पटना के सरकारी और सीबीएसई स्कूलों में आपने जिस तरह से अपनी सीखने की यात्रा को आगे बढ़ाया है, वह सराहनीय है। इस अवलोकन अवधि में आपने न केवल शिक्षा के व्यावहारिक पहलुओं को समझा है, बल्कि वास्तविक कक्षा में छात्रों के साथ संवाद और संपर्क की कला को भी सीखा है।

यह अनुभव आपकी शिक्षण यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम आशा करते हैं कि आप इस सीख को अपने आगे के प्रशिक्षण और शिक्षण में उपयोग करेंगे और शिक्षा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट शिक्षक बनेंगे।

1 Month School Observation

☎ 7759993111 ✉ stcepatna@gmail.com Website https://www.stcebedcollege.com/

MEDIA COVERAGE

राष्ट्रीय सहारा

खबरें एक नजर में

पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

पटना। एसटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के बैनर तले तरुमित्र की ओर से आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में पर्यावरण जागरूकता का प्रदर्शन और इससे जुड़े गंभीर प्रश्नोत्तर सत्र का हुआ आयोजन। यह कार्यक्रम तारुमित्रा के हेड कोऑर्डिनेटर, देवोप्रिया दत्ता द्वारा संचालित किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देना था। प्रदर्श में प्रोजेक्टर के माध्यम से पर्यावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को साझा किया गया। यहां उपस्थित एसटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, एसटी कॉलेज ऑफ हेल्थ एजुकेशन एवं एसटी राजा इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। श्री दत्ता ने बताया कि इसका उद्देश्य है युवा वर्ग को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना और इसमें योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। एसटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन की निदेशक डॉ. शाहिना खान ने वादा किया कि अब एसटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ये सभी छात्र-छात्राएं इक्को वॉरियर के रूप में पर्यावरण की रक्षा करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर एसटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष तारिक रजा खान, निदेशक-डॉ. शाहिना खान, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तनु सिन्हा, प्राचार्य डॉ. संजीता कुमारी, एकेडमिक को-ऑर्डिनेटर एसटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन शिलनिधी, एसटी राजा इंटरनेशनल स्कूल के वाइस प्रिंसिपल वारिस जुनैद, कुमारी निहारिका, जया पांडे, शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक कर्मचारी व विद्यार्थीगण मौजूद थे।

PINDAR-10-04-2...

PINDAR, PATNA

ایس ٹی گروپ آف انسٹی ٹیوشن میں اورینٹیشن پروگرام

پٹنہ (پی این ایس): ایس ٹی گروپ آف انسٹی ٹیوشن میں منگل کو ترومترا کے ذریعہ منعقدہ "اورینٹیشن پروگرام" کے ایک حصے کے طور پر، ایک ماحولیاتی بیداری مظاہرہ اور سوال جواب سیشن کا اہتمام کیا گیا۔ پروگرام کی نظامت دیوپریہ دت، ہیڈ کوآرڈینیٹر ترومترا نے کی۔ پروگرام کا بنیادی مقصد ماحولیاتی تحفظ اور آگاہی کو فروغ دینا تھا۔ مظاہرے میں ماحولیات سے متعلق اہم معلومات پروجیکٹر کے ذریعے شیئر کی گئیں۔ موجودہ ایس ٹی کالج آف ایجوکیشن، ایس ٹی کالج آف ہیلتھ ایجوکیشن اور ایس ٹی راجہ انٹرنیشنل اسکول کے طلباء کو ماحولیاتی تحفظ میں اپنا حصہ ڈالنے کی ترغیب دی گئی۔ ترومترا کے ہیڈ کوآرڈینیٹر دیوپریہ دت نے کہا کہ اس کا مقصد نوجوانوں کو ماحولیاتی تحفظ کی اہمیت کو سمجھنے اور اس میں اپنا حصہ ڈالنے کی ترغیب دینا ہے۔ انہوں نے اس ...

ڈائریکٹر ڈاکٹر شاہینہ خان نے اپنے خطاب میں وعدہ کیا کہ اب ایس ٹی گروپ آف انسٹی ٹیوشن کے یہ تمام طلبہ ماحول کی حفاظت "ایکو واریئرز" کے طور پر کریں گے۔ یہ بات قابل ذکر ہے کہ ایسے اداروں کے طلباء جو ماحول کے تئیں حساس ہیں ان کو ادارے کی طرف سے "Eco Warriors" کا نام دیا گیا ...

رہنمائی اور مشورہ فراہم کرنے کے لیے منعقد کیا گیا تھا۔ پروگرام کے اختتام پر S.T گروپ آف انسٹی ٹیوشنز کے صدر طارق رضا خان، ڈائریکٹر ڈاکٹر شاہینہ خان، چیف ایڈمنسٹریٹو آفیسر تنو سنہا، پرنسپل ڈاکٹر سنجیتا کماری، اکیڈمک کوآرڈینیٹر ایس ٹی کالج آف ایجوکیشن شیلانیدھی، ایس ٹی راجہ انٹرنیشنل ...

कैंपस 30S

तरुमित्रा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल एसटी ग्रुप के छात्र व अन्य।

पर्यावरण जागरूकता पर हुआ ओरिएंटेशन प्रोग्राम

पटना। एसटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में मंगलवार को तरुमित्रा की ओर से ओरिएंटेशन प्रोग्राम के तहत पर्यावरण जागरूकता का प्रदर्शन और प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। तरुमित्रा के हेड कोऑर्डिनेटर देवोप्रिया दत्ता द्वारा कार्यक्रम को संचालित किया गया। मौके पर संस्थान के अध्यक्ष तारिक रजा खान, तनु सिन्हा, डॉ. संजीता कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

टेंडर हार्ट स्कूल में बच्चों ने ईद मनायी

टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल बच्चे।

पटना। टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल, राजेन्द्र नगर में बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को बनाये रखने के लिए ईद उत्सव का आयोजन किया, जिसमें सभी धर्म के बच्चे कुर्ता पजामा और लड़कियां सलवार कमीज में उपस्थित रहीं। बच्चों ने चांद दीदार की झलक प्रस्तुत की। विद्यालय के निदेशक राजीव भार्गव और ... हार्दिक बधाई

कैंपस 30S

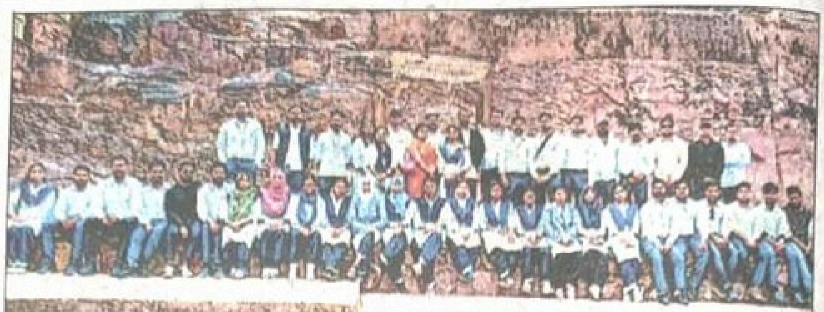

ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के दौरान बीएड के छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

प्रशिक्षुओं ने राजगीर का किया भ्रमण

पटना। एसटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बीएड सत्र 2022 –24 दूसरे वर्ष के प्रशिक्षुओं ने राजगीर के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। संस्थान के अध्यक्ष तारिक रजा खान, सचिव सह निदेशक डॉ शाहिना खान, सीईओ तनु सिन्हा, प्राचार्या डॉ संजीता कुमारी ने झंडी दिखाकर सभी को रवाना किया। प्रशिक्षुओं ने विश्व शांति स्तूप, सोन भंडार, मनियार मठ समेत कई स्थलों का भ्रमण किया।

MEDIA COVERAGE

S.T COLLEGE OF EDUCATION

तमसो मॉं ज्योतिर्गमय

भविष्य के शिक्षकों का निर्माण: “बी.एड. और डी.एल.एड. कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की खोज”

आज के शैक्षिक परिदृश्य में, शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक समग्र दृष्टिकोण अपनाती है, जिसमें शिक्षक और विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताएं भी शामिल होती हैं। इस संदर्भ में, शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम जैसे बी.एड. (बैचलर ऑफ एजुकेशन) और डी.एल.एड. (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य केवल मानसिक रोगों से नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक और भावनात्मक सेहत को बनाए रखना भी शामिल है।

यह लेख इस बात पर केंद्रित है कि कैसे बी.एड. और डी.एल.एड. जैसे कार्यक्रम भविष्य के शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी देकर उन्हें सक्षम बनाते हैं, ताकि वे अपने विद्यार्थियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर सकें और स्वस्थ शैक्षिक वातावरण बना सकें।

1. मानसिक स्वास्थ्य: शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा मानसिक स्वास्थ्य को अकसर शारीरिक स्वास्थ्य के मुकाबले कम महत्व दिया जाता है। लेकिन अध्ययन बताते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। यह शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कक्षा का माहौल केवल शैक्षिक उपलब्धियों पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक स्थिरता पर भी निर्भर करता है।
बी.एड. और डी.एल.एड. में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का मुख्य कारण यह है कि शिक्षक न केवल पढ़ाई के लिए जिम्मेदार होते हैं, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक विकास के लिए भी अहम होते हैं। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को समझने और उनके साथ सहानुभूति रखने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अध्यापक यदि मानसिक स्वास्थ्य के सिद्धांतों को समझते हैं, तो वे विद्यार्थियों की भावनात्मक और मानसिक समस्याओं का समाधान भी कर सकते हैं।
2. शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य का महत्व शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य का सीधा असर उनके शिक्षण कौशल और विद्यार्थियों पर पड़ता है। एक शिक्षक जो मानसिक रूप से स्वस्थ होता है, वह विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से पढ़ा सकता है, उन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और एक स्वस्थ शिक्षण वातावरण का निर्माण कर सकता है।
एक शोध अध्ययन में पाया गया है कि शिक्षकों की तनावपूर्ण स्थिति का प्रभाव उनके विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी पड़ता है। उच्च स्तर का तनाव और मानसिक थकान न केवल शिक्षक की दक्षता को कम करते हैं, बल्कि इसका नकारात्मक असर विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता पर भी होता है।
बी.एड. और डी.एल.एड. जैसे कार्यक्रमों में अब मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है, ताकि भावी शिक्षक मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए पहले से तैयार हों।
3. मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा का आपसी संबंध मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा के बीच गहरा संबंध है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करना है। विद्यार्थी अपनी मानसिक और भावनात्मक स्थिति के अनुसार सीखते हैं। यदि वे तनाव, चिंता, या अवसाद जैसी मानसिक चुनौतियों से जूझ रहे होते हैं, तो उनका शैक्षिक प्रदर्शन भी प्रभावित होता है।
बी.एड. और डी.एल.एड. कार्यक्रमों में यह सिखाया जाता है कि शिक्षक कैसे मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को पहचान सकते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं। इसमें यह भी शामिल है कि शिक्षक कक्षा में सकारात्मक वातावरण कैसे बना सकते हैं, जहां विद्यार्थी अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकें और भावनात्मक सहयोग प्राप्त कर सकें।
4. बी.एड. और डी.एल.एड. पाठ्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य पर जोर:- हाल के वर्षों में, बी.एड. और डी.एल.एड. पाठ्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। यह बदलाव इस बात की स्वीकारोक्ति है कि मानसिक स्वास्थ्य का शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर सीधा प्रभाव होता है। कुछ प्रमुख घटक जिन पर इन कार्यक्रमों में ध्यान दिया जाता है: मानसिक स्वास्थ्य की बुनियादी समझ: शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है, ताकि वे इसे समझ सकें और इसका महत्व जान सकें। तनाव प्रबंधन और सामर्थ्य निर्माण: शिक्षकों को अपने और विद्यार्थियों के तनाव को समझने और उसका प्रबंधन करने की तकनीकें सिखाई जाती हैं। यह उन्हें अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाने में मदद करता है। पारस्परिक संवाद कौशल: शिक्षकों को यह सिखाया जाता है कि वे विद्यार्थियों के साथ कैसे बेहतर संवाद कर सकते हैं, ताकि वे विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति को समझ सकें और उन्हें सही मार्गदर्शन दे सकें। सहानुभूतिपूर्ण शिक्षण: सहानुभूति का महत्व समझाना और इसे शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाना अत्यंत आवश्यक है। इससे शिक्षक विद्यार्थियों के साथ बेहतर संबंध बना सकते हैं।

5. शोध की दृष्टि से मानसिक स्वास्थ्य का महत्व शोध के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने वाले शिक्षक बेहतर तरीके से शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। एक अध्ययन में यह पाया गया कि जब शिक्षक मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को समझते हैं, तो वे विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा, जिन स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है, वहां विद्यार्थियों का आत्म-सम्मान, आत्म-नियंत्रण और शैक्षिक सफलता का स्तर अन्य स्कूलों की तुलना में अधिक होता है। शोध से यह भी स्पष्ट होता है कि शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालता है।
6. मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य के शिक्षक बी.एड. और डी.एल.एड. जैसे कार्यक्रम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भविष्य के शिक्षक न केवल शैक्षिक रूप से योग्य हों, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील और जागरूक भी हों। मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित प्रशिक्षण उन्हें न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में मदद करता है, बल्कि उनके पेशेवर जीवन में भी अत्यधिक सहायक होता है। आने वाले समय में, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना और इसे शैक्षिक प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाना और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा।

निष्कर्ष
बी.एड. और डी.एल.एड. कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना आज के शिक्षण परिदृश्य में अत्यंत आवश्यक हो गया है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक शिक्षक विद्यार्थियों को एक बेहतर शैक्षिक अनुभव प्रदान कर सकते हैं, जिससे उनका मानसिक और शैक्षिक विकास दोनों सुनिश्चित हो सके। मानसिक स्वास्थ्य के सिद्धांतों को समझकर, शिक्षक न केवल विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि उन्हें एक सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण भी प्रदान कर सकते हैं।
इसलिए, भविष्य के शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझना और इसे अपने शिक्षण में शामिल करना चाहिए, ताकि वे भावी पीढ़ी के मानसिक और शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

SHILNIDHI
Assistant Professor,
S.T.C.E. , PATNA

ग़ज़ल

आये हो तुम प्रभात सांगित

आये हो तुम ,आये हो तुम
युगों के बाद प्यारे
पपीहा बोले कोयल बोले,
बोलते हैं मोर मोरे।।
युगों के बाद प्यारे....
जिन दिनों से लीला तुम्हारी
उन्हीं दिनों से पुकार मेरी
रोती है अँखियाँ आँसू भारी ,
झूमते हैं मन सारे ।।
युगों के बाद प्यारे .....
है नहीं मेरी तपस्या,
इंजोर नहीं है अमावस्या ।
रह गयी सिर्फ़ एकही चिकीर्षा
बनु चरणरजकण तुम्हारे।।
युगों के बाद प्यारे......।।

दिव्य रूपा

रुख़सती उनकी जब हुई होगी
जान हाथों मे आ गई होगी

हाल उस शब का हो बयां कैसे
करवटें लेके जो कटी होगी

आखरी बार मिलके आया था
वो घड़ी हाय क्या घड़ी होगी

जाओ कमरे को देखो अच्छे से
रूह अब तक वहीँ कहीं होगी

यूँ जो तकता है आसमान को तू
क्या तुम्हें वो भी तक रही होगी

तेरी खामूशियों के पीछे में
कोई शाहीन ही रही होगी

अब कहाँ उसको याद आए मेरी
मां तो वह कब का बन चूकी होगी

हाँ बुढ़ापे का डर सताता है
हाथ मे जब फकत छड़ी होगी

सब्र कर और रख यकीन नौशाद
तेरी खातिर कोई परी होगी

Naushad Alam

“The Role of Global Perspectives in Shaping Ethical and Moral Education in the Classroom”

AUTHOR: RITESH KUMAR
DESIGNATION: ASSISTANT PROFESSOR,
S.T.C.E., PATNA
ADDRESS: AHMED RAZA NAGAR
PHULWARISHARIF,
PATNA - 801505
EMAIL. ID: RITESH3073KUMAR@GMAIL.COM

Abstract:

In an increasingly interconnected world, the integration of global perspectives into ethical and moral education has become essential in preparing students to navigate complex cultural, social, and ethical landscapes. This article explores the role of global perspectives in shaping ethical and moral education within the classroom, emphasizing the importance of cross-cultural understanding, empathy, and critical thinking. By incorporating diverse worldviews and moral frameworks, educators can foster inclusive learning environments that challenge ethnocentric biases and promote global citizenship. The article highlights how global issues such as climate change, social justice, and human rights can serve as platforms for ethical inquiry and moral reasoning. Drawing on case studies and theoretical frameworks, the discussion illustrates how exposure to global narratives enhances students' capacity for ethical reflection and moral decision-making. Furthermore, it examines the pedagogical strategies that support the integration of global perspectives, including dialogical learning, culturally responsive teaching, and interdisciplinary approaches. The findings suggest that ethical and moral education grounded in global perspectives encourages students to appreciate diversity, engage in respectful dialogue, and develop a sense of responsibility toward global and local communities. Ultimately, the article argues that equipping students with a global ethical outlook is not only vital for their personal development but also critical for fostering a more just, compassionate, and interconnected world. By redefining ethical education through a global lens, educators can contribute to the cultivation of morally conscious individuals who are prepared to address the ethical challenges of the 21st century.

Key Words: Integration, Global narratives, Social Justice, Moral Education, Technology integration

"The B.Ed. Session 2022-24 is over, your hard work has paid off! Now relax during the holidays, but remember, the next exam will be when you press the alarm button!"

RECOGNIZED BY NCTE, GOVT. OF INDIA
AFFILIATED TO MAULANA MAZHARUL HAQUE ARABIC & PERSIAN UNIVERSITY (B.ED.)
BIHAR SCHOOL EXAMINATION BOARD (D.EL.ED.), PATNA

Ahmad Raza Nagar, Mission Road, Kurkuri, Phulwarisharif, Patna - 801505, Phone No -7759993111 , 9525506666